GSEB Std 9 Hindi Textbook Solutions Chapter 6 मेरी बीमारी श्यामा ने ली

Std 9 GSEB Hindi Solutions मेरी बीमारी श्यामा ने ली Textbook Questions and Answers

स्वाध्याय

1. एक-एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

प्रश्न 1. सामान्यतः लेखक कौ कौन-कोन सी बीमारियाँ रहती थीं?
उत्तर :
सामान्यत: लेखक को जुकाम, बुखार, खाँसी, सिरदर्द आदि बीमारियां रहती थीं।

प्रश्न 2. लेखक एलोपैथी का उपचार क्यों नहीं कराते थे?
उत्तर :
लेखक ऐलोपैथी का उपचार नहीं कराते थे, क्योंकि वह महंगा होने के कारण उनकी शक्ति से बाहर था।

प्रश्न 3. बच्चनजी को मुक्ता प्रसादजी ने कौन सा उपचार बताया था?
उत्तर :
मुक्ता प्रसादजी ने बच्चनजी को लुई कोने के पानी के प्रयोग से रोग दूर करने का उपचार बताया।

2. सविस्तर उत्तर दीजिए :

प्रश्न 1. लेखक बीमारी में भी क्यों काम करते थे?
उत्तर :
लेखक की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। घर का खर्च निकालने के लिए वे स्कूल में पढ़ाते थे और ट्यूशन करते थे। आराम करने से वे ये दोनों काम नहीं कर सकते थे। बिना आमदनी के घर कैसे चलता? छोटे भाई शालिग्राम की आमदनी भी अधिक नहीं थी। महंगी दवाएं भी उनके लिए सिरदर्द थीं। इसलिए मजबूरी में बच्चनजी बीमारी में भी काम करते थे।

प्रश्न 2. लेखक की बीमारी सुनकर श्यामा काँपकर तुरंत क्यों संभल गई?
उत्तर :
डॉ. मुखर्जी ने बच्चनजी को तपेदिक (क्षय) की बीमारी बताई थी। पत्नी श्यामा ने सुना तो वे कांप उठीं। उन्होंने पलभर में अनुभव कर लिया कि उनका कॉपना बच्चनजी सहन नहीं कर पाएंगे। पति

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

की संवेदनशीलता से वे भलीभांति परिचित थीं। वे उन्हें अपनी चिंता से अवगत नहीं कराना चाहती थीं। इसलिए वे तुरंत संभल गईं।

प्रश्न 3. लेखक को ऐसा क्यों लगा की उन्हें श्यामा के लिए जीने का संघर्ष करना चाहिए?

उत्तर :

बीमारी में लेखक को कर्ज चुकाने की चिंता खाए जा रही थी। उन्होंने अपने आपको मरने के लिए छोड़ दिया था। लेकिन तभी उन्हें श्यामा का ख्याल आया। उन्होंने सोचा कि उन्होंने श्यामा के लिए तो कुछ किया ही नहीं। उसके लिए कुछ करने लायक उनकी स्थिति ही नहीं थी। अब यदि अपने कर्ज का भार भी उस पर छोड़ जाएँ तो उनके जैसा जघन्य अपराधी कौन होगा? यह सोचकर उन्हें लगा कि उन्हें श्यामा के लिए जीने का संघर्ष करना चाहिए।

प्रश्न 4. बच्चनजी की पारिवारिक आर्थिक विपन्नता के बारे में अपने विचार प्रकट कीजिए।

उत्तर :

पत्नी श्यामा के साथ हरिवंशराय बच्चनजी का जीवन अत्यंत संघर्षमय रहा। आय के ठोस साधनों से वे वंचित थे। वे स्कूल में पढ़ाते थे, ट्यूशन करते थे, अपनी किताबों से भी कुछ पैसे मिल जाते थे। फिर भी खर्च पूरा नहीं हो पाता था। छोटे भाई शालिग्राम का वेतन बहुत कम था। बच्चनजी की बीमारी के बाद तो स्थिति और भी चिंताजनक हो गई। महंगी दवाएं खरीदना मुश्किल हो गया। पिता ने घर बेचकर पुत्र का इलाज कराने की बात की। सही समय पर इलाज न मिलने पर श्यामा की मृत्यु हुई। इस प्रकार बच्चनजी की पारिवारिक आर्थिक विपन्नता का दारुण रूप इस संस्मरण में व्यक्त हुआ है।

3. नीचे दीये गये वाक्यों का भावार्थ समझाइए :

प्रश्न 1. 'बीमारी अमीरों की हरमजदगी है, गरीबों को उसे अपने पीछे न लगाना चाहिए।'

उत्तर :

बीमारी अमीरों का हरामीपन है। वे बीमारी में काम न करने का बहाना बना लेते हैं। पैसा होने के कारण उनकी यह कामचोरी चल जाती है। गरीबों को तो रोज मेहनत करके रोजी कमानी पड़ती है। वे बीमारी के नाम पर काम नहीं करेंगे तो उनका गुजारा कैसे होगा। इसलिए गरीबों को बीमार होने से बचना चाहिए।

प्रश्न 2. 'काम के पीछे बुखार भागे।'

उत्तर :

काम न करनेवाले को मामूली बुखार भी बहुत तेज लगता है। वह उसे दूर करने के लिए दवा लेता है। लेकिन दृढ़ मनोबलवाले व्यक्ति साधारण बुखार को कुछ नहीं गिनते। बुखार में वे अपने काम में लगे रहते हैं। उनका बुखार अपने आप ठीक हो जाता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4. शब्दसमूह के लिए एक-एक शब्द दीजिए :

प्रश्न 1.

1. **जहाँ शरण लिया जा सके**
2. **सौ-बरस जीने का आशीर्वाद**
3. **शुभ मार्ग पर चलने का आशीर्वाद**

उत्तर :

1. शरणस्थल
2. शतायु भव
3. स्वस्तिपंथा

5. विरोधी शब्द दीजिए :

प्रश्न 1.

1. **चिकना**
2. **मधु**
3. **कलश**
4. **विमुक्त**

उत्तर :

1. खुरदरा
2. कटु
3. शांति
4. बद्ध

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in